PAPER-III
PUBLIC ADMINISTRATION

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ___________________________
   (Name) ______________________________
2. (Signature) ___________________________
   (Name) ______________________________

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.___________________________________

(In words)

J	1 4	1	1

Time : 2 $^1/_2$ hours] [Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **19**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (केलकुलेटर) या लॉग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

PUBLIC ADMINISTRATION

लोक प्रशासन

PAPER – III

प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

SECTION – I

खण्ड – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : इस खंड में **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. 'The Rising Pyramid of Bureaucrats is a serious challenge to democracy.' Evaluate the relevance of Weberian model of Bureaucracy in the context of developing societies.
"नौकरशाहों का बढ़ता आकार (राइजिंग पिरामिड) प्रजातंत्र के लिए एक गंभीर खतरा है" । वेबर द्वारा प्रतिपादित नौकरशाही के मॉडल की प्रासंगिकता का मूल्यांकन विकासशील समाजों के संदर्भ में कीजिए ।

OR / अथवा

'Budget is the heart of management.' Comment.
'बजट प्रबंधन का हृदय है' टिप्पणी कीजिए ।

2. ‘The role of District Collector has gone under a metamorphosis from baton of brutality to agent of social change.’ Delineate the role of District Collector in the light of this statement.
“जिलाधिकारी की भूमिका ‘क्रूरता का डण्डा’ से बदलकर सामाजिक परिवर्तन के कर्त्ता में रूपांतरित हो गई है ।”
इस कथन के प्रकाश में जिलाधिकारी की भूमिका का वर्णन कीजिए ।

OR / अथवा

‘Training is a paid holiday.’ In the light of this statement explain the rationale of training.
‘प्रशिक्षण एक सवेतन अवकाश दिवस हैं’ इस कथन के प्रकाश में प्रशिक्षण की तर्कसंगतता की व्याख्या कीजिए ।

SECTION – II
खण्ड – II

Note : This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the three questions contained therein. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **तीन (3)** प्रश्न है । अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी के तीनों प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह (15)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

Elective – I
ऐच्छिक – I

3. ‘The Public Policies in general suffer from implementation lag’. Analyse.
‘लोक नीतियाँ सामान्यतया क्रियान्वयन में विलम्ब से ग्रसित है’ विश्लेषण कीजिए ।

4. Evaluate the Institutional Arrangements for Policy formulation.
नीति निरूपण हेतु संस्थागत व्यवस्थाओं का मूल्यांकन कीजिए ।

5. Explain the meaning and methods of monitoring and evaluation of Public Policy.
लोक नीति के प्रबोधन तथा मूल्यांकन के अर्थ तथा विधियों की व्याख्या कीजिए ।

OR / अथवा

Elective – II
ऐच्छिक – II

3. ‘The Reservation Policy has failed to produce desired impact in terms of social justice.’ Comment.
‘आरक्षण नीति सामाजिक न्याय की दिशा में वांछित प्रभाव उत्पन्न करने में असफल रही है’ – टिप्पणी कीजिए ।

4. Critically examine the recent innovations in the field of Education in India.
भारत में शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिक नवप्रवर्तनों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।

5. Social welfare and social justice are complimentary to each other. Elaborate.
“सामाजिक कल्याण तथा सामाजिक न्याय एक दूसरे के पूरक हैं” व्याख्या कीजिए ।

OR / अथवा

Elective – III
ऐच्छिक – III

3. Assess the impact of Liberalization, Privatization and Globalization (LPG) on Public Enterprises in India.
भारत में लोक उद्यमों पर उदारीकरण, निजीकरण तथा वैश्वीकरण (एल.पी.जी.) के प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए ।

4. ‘Accountability and Autonomy of Public Enterprises are incompatible.’ Examine the statement and suggest suitable solutions.
‘लोक उद्यमों की जवाबदेही तथा स्वायत्तता परस्पर विरोधी हैं’। इस कथन का परीक्षण कीजिए तथा उपयुक्त समाधान सुझाइए ।

5. Disinvestment policy is both a boon and a bane for Indian Economy. Comment.
भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए विनिवेश नीति एक वरदान तथा अभिशाप दोनों है । टिप्पणी कीजिए ।

OR / अथवा

Elective – IV
ऐच्छिक – IV

3. The implementation of 74^{th} Constitutional Amendment Act has been characterised by hesitant and halting approach to devolution. Comment.

   74वें संविधान-संशोधन अधिनियम के क्रियान्वयन की विशेषता हस्तांतरण के प्रति अनिच्छा एवं टालमटोल का दृष्टिकोण है। टिप्पणी कीजिए ।

4. The Gram Sabha is yet to attain the role and status as envisaged under the 73^{rd} Constitutional Amendment Act. Comment.

   73वें संविधान-संशोधन अधिनियम में ग्राम सभा की परिकल्पित भूमिका एवं स्थिति को प्राप्त करना अभी भी शेष है । टिप्पणी कीजिए ।

5. "State Finance Commissions have failed to deliver the goods." In the light of this statement explain their performance.

   'राज्य वित्त आयोग अपने उद्देश्यों की प्राप्ति में असफल रहे हैं' । इस कथन के प्रकाश में इनके कार्य निष्पादन की व्याख्या कीजिए ।

OR / अथवा

Elective – V
ऐच्छिक – V

3. Critically examine the Target Group Approach to Rural Development.

   ग्रामीण विकास के प्रति लक्षित वर्ग उपागम का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।

4. Jawaharlal Nehru National Urban Renewal Mission (JNNURM) has changed the urban scene. Do you agree ?

   'जवाहरलाल नेहरू नेशनल अरबन रिन्यूअल मिशन (JNNURM) ने शहरी परिदृश्य को बदल दिया है' । क्या आप सहमत हैं ?

5. 'Urban Development should not be at the cost of environmental protection.' Comment.

   शहरी विकास पर्यावरण संरक्षण की कीमत पर नहीं होना चाहिए । टिप्पणी कीजिए ।

SECTION – III

खण्ड – III

Note : This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

नोट : इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग पचास (50) शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. Why the gap between public and private administration is narrowing down ?
   लोक तथा निजी प्रशासन के बीच की खाई क्यों कम हो रही है ?

7. “Coordination is the first principle of organisation.” (Mooney and Reiley) Comment.
“समन्वय संगठन का प्रथम सिद्धान्त है” (मूने एण्ड रैले) । टिप्पणी कीजिए ।

8. Explain the concept of constructive conflict propounded by M.P. Follet.

एम.पी. फौलेट द्वारा प्रतिपादित रचनात्मक संघर्ष की अवधारणा की व्याख्या कीजिए ।

9. Explain the Riggsian concept of overlapping.

रिग्स की परस्पर व्यापन की अवधारणा की व्याख्या कीजिए ।

10. Describe the stratified sampling method.

स्तरीकृत निदर्शन विधि का वर्णन कीजिए ।

11. Differentiate between Department and Directorate.
विभाग तथा निदेशालय के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए ।

12. 'The credibility of State Public Service Commissions has declined.' Comment.
'राज्य लोक सेवा आयोगों की साख में कमी आई है ।' टिप्पणी कीजिए ।

13. Discuss the rationale of establishing three tier system of Federation in India.
भारत में त्रि-स्तरीय संघ प्रणाली के गठन की तर्कसंगतता का विवेचन कीजिए ।

14. What is 'new' in the New Economic Policy ?

नई आर्थिक नीति में 'नया' क्या है ?

SECTION – IV
खण्ड – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 marks)

नोट : इस खण्ड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

Read the passage below, and answer the questions that follow based on your understanding of the passage :

Performance of civil servants is difficult to measure. This is for a number of reasons, all related to the measurement of outputs and outcomes. In the private sector, the value of services provided by a company is determined by the price at which they are sold in the market. This enables measures of productivity, such as output per worker, to be calculated rather easily. Since public services are not usually traded in a market, outputs of civil servants cannot be quantified using prices. A further complication is the distinction between outputs and outcomes. The performance of the civil service is ideally measured in terms of outcomes, since these are the primary concern of citizens. But it is often difficult to identify to what extent these are the result of the outputs produced by civil servants as compared with other, external, factors. Another complicating factor is the time lag that often exists between improvements in the quantity and quality of outputs and the outcomes they achieve. As a result of these difficulties, measurement of the productivity of civil servants has historically tended to ignore outputs and outcomes. Instead, the focus has been on the magnitude of inputs used, and increases in expenditure are regarded as equivalent to an identical increase in output. But, as the experience of several OECD member countries show, such an assumption is no longer tenable and a great deal of work has now been done in these countries on finding solutions to these problems and establish performance management systems linked to measurement of outputs and outcomes.

नीचे दिये गये गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िये और गद्यांश की अपनी समझ के आधार पर नीचे दिये प्रश्नों का उत्तर दीजिए :

लोक सेवकों के कार्य-निष्पादन का मापन कठिन है । ऐसा अनेक कारणों से है जिनमें सभी का संबंध इनके कार्यों और सेवाओं के निष्पादन (आउटपुट्स) तथा उनके परिणामों (आउटकम्स) को मापने से है । निजी क्षेत्र की किसी कम्पनी द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सेवा का मूल्य बाजार में उसके विक्रय मूल्य या कीमत से आंका जाता है । यह उत्पादकता को मापने में समर्थ बनाता है, जैसे प्रति कार्मिक उत्पादन का हिसाब लगाने में सुविधा होती है । चूँकि लोक सेवाओं का सामान्यत: बाजार में क्रय-विक्रय नहीं होता अत: कीमत के आधार पर लोक सेवकों के कार्यों तथा सेवाओं के निष्पादन (आउटपुट्स) को मात्राबद्ध नहीं किया जा सकता । कार्यों और सेवाओं के निष्पादन तथा उनके परिणामों के बीच अंतर भी जटिलता पैदा करता है । लोक सेवकों के कार्य निष्पादन को आदर्श रूप में परिणामों के रूप में मापा जा सकता है क्योंकि

इससे नागरिकों का प्रमुख सरोकार होता है । परन्तु बहुधा यह पहचान पाना कठिन होता है कि अन्य बाह्य शक्तियों की तुलना में ये किस सीमा तक लोक सेवकों के कार्यों और सेवाओं से प्रतिफलित होते हैं । कार्यों और सेवाओं के निष्पादन (आउटपुट्स) के गुणात्मक और मात्रात्मक सुधार तथा उनसे प्राप्त परिणामों (आउटकम्स) के बीच का समय अन्तराल जटिलता उत्पन्न करने वाला एक अन्य तत्त्व है । इन कठिनाइयों के कारण लोक सेवाओं की उत्पादकता को मापने में कार्यों और सेवाओं के निष्पादन तथा परिणामों की अनदेखी करने की ऐतिहासिक प्रवृत्ति रही है । इसके बदले, प्रयुक्त निवेश की मात्रा पर अधिक बल दिया जाता है तथा व्यय में बढ़ोतरी को आउटपुट में समतुल्य बढ़ोतरी के बराबर माना जाता है । परन्तु जैसा कि ओ ई सी डी के अनेक सदस्य देशों के अनुभव से प्रदर्शित होता है कि इस प्रकार की धारणा अब तर्कसंगत नहीं रह गई है तथा इन समस्याओं का समाधान पाने तथा आउटपुट्स एवं आउटकम्स के मापन से जुड़ी कार्यनिष्पादन प्रबंधन प्रणालियों को स्थापित करने की दिशा में इन देशों में बहुत काम हो रहा है ।

15. What are the difficulties in measuring the performance of Civil servants as compared to Private sector ?

निजी क्षेत्र की तुलना में लोक सेवकों के कार्य निष्पादन के मापन में आनेवाली कठिनाइयाँ कौन सी हैं ?

16. What do you mean by ‘outputs’ and ‘outcomes’ ?

‘आउटपुट्स’ तथा ‘आउटकम्स’ से आपका क्या अभिप्राय है ?

17. What is the difficulty in measuring the performance of the civil servants in terms of outcomes ?

परिणामों के परिप्रेक्ष्य में लोक सेवकों के कार्य निष्पादन के मापन में कौन सी कठिनाइयाँ हैं ?

18. Explain the concept of ‘time lag’.

‘समय अन्तराल’ की संकल्पना की व्याख्या कीजिए ।

19. What steps **OECD** countries have taken with regard to measurement of performance of civil servants ?
लोक सेवकों के कार्य निष्पादन का मापन करने की दिशा में **ओ इ सी डी** देशों ने कौन से कदम उठाए हैं ?

Space For Rough Work

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....